

संपादकीय

पाक की नापाक हरकत

पड़ौसी देश पाकिस्तान ने एक बार फिर सीमा पर संघर्ष विराम का उलंघन करते हुए अकारण गोलीबारी की है, जिसका भारतीय सेना मंहुतोड़ जवाब दे रही है। पाकिस्तान लगातार सीमा पर तनाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इसकी वजह साफ है कि वह बड़ी संख्या में आतंकवादियों की कश्मीर में घुसपैठ कराने की फिराक में है। जम्मू कश्मीर में 370 के खतमे का एक साल पूरा होने जा रहा है, इस अवसर पर पाकिस्तान कश्मीर में आतंकी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। दरअसल जब से कश्मीर में 370 का खत्मा हुआ है तब से वहां भारतीय सेना और सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के खिलाफ आपरेशन ऑलआउट को तेज कर दिया है। आतंकवादियों को चुन चुन कर जहजूम रसीद किया जा रहा है। अब वहां गिनती के ही आतंकवादी बचे है और वे भी सेना के घेरे भागे भागे फिर रहे हैं। इधर कश्मीर के अलगाववादी नेताओं की भी कमर टूट गई है यही वजह है कि पाकिस्तान को कश्मीर में आतंक फैलाने के लिए किराए के टट्टू नहीं मिल रहे हैं, ऐसी स्थिति में उसके लिए अब आतंक की आग को हवा दे पाना मुश्किल हो गया है। पाकिस्तान को बहतर हूरी के पास खाना कर दिया है। आब कश्मीर से आतंकवाद का खत्मा होकर ही रहेगा। बेहतर होगा कि पाक अपनी नापाक हरकतों से तौबा कर लें वरना भारत को पाकिस्तान के खिलाफ एक और बड़ी सर्जिकल स्ट्राईक करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। यदि इस बार सर्जिकल स्ट्राईक हुई तो पाकिस्तान के सभी आतंकी अड्डे तबाह कर दिए जाएंगे, पाक अधिकृत कश्मीर भी पाकिस्तान के कब्जे से मुक्त हो जाएगा। भारत का अगला कदम पीओके में तिरंगा फहराना ही है। पाकिस्तान यह न भूलें की लदुदाख में भारतीय सेना अपना पराक्रम दिखा रही है और उसने चीन को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया है। यदि पाकिस्तान इसी तरह की नापाक हरकतें करता रहा तो भारतीय सेना के सब का पैमाना कभी भी छलक सकता है और पाकिस्तान को इसका भयानक दुष्परिणाम भुगतना पड़ा सकता है।

विचार

भारत में सच्चा लोकतंत्र कैसे लाएं ?



डॉ. वेदप्रसाद वैदिक

कल के मेरे लेख हमारे ‘ढेंगी लोकतंत्र’ पर प्रतिक्रियाओं की बरसात हो गई। लोग पूछ रहे हैं कि भारत को सच्चा लोकतंत्र कैसे बनाएं ? कुछ सुझाव दीजिए। सबसे पहले देश की सभी पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र हो याने किसी भी पद पर कोई भी नेता बिना चुनाव के नियुक्त न किया जाए। पार्टी के अध्यक्ष तथा सभी पदाधिकारियों का सीधा चुनाव हो, गुप्त मतदान द्वारा। दूसरा, किसी को भी नगर निगम, विधानसभा या संसद का उम्मीदवार घोषित करने के पहले यह जरुरी हो कि वह पार्टी-सदस्य पहले अपनी पार्टी के आंतरिक चुनाव में बहुमत प्राप्त करें। नेताओं द्वारा नामजदगी एकदम बंद हो। तीसरा, यह भी किया जा सकता है कि पार्टी अध्यक्ष, महासचिव और सचिवों को दो बार से ज्यादा लगातार अपने पद पर न रहने दिया जाए। चौथा, पार्टी के और और व्यय का पूरा हिसाब हर साल सार्वजनिक किया जाए। हमारी पार्टियों को रिक्षत और दलाली के पैसेों से परहेज करना सिखाया जाए। पांचवां, अपराधियों को चुनावी उम्मीदवार बनाने दो दूर की बात है, ऐसे गंभीर आरोपियों को पार्टी सदस्यता भी न दी जाए और अगर पहले दो गई हो तो वह खीन ली जाए। छठ, ऐसा कानून बने कि कोई भी दल-बदलू अगले पांच साल तक न तो चुनाव लड़ सके और न ही किसी सरकारी पद पर रह सके। सातवां, जो भी व्यक्ति किसी दल का सदस्य बनना चाहे, उसके लिए कम से कम एक साल तक आत्म-प्रशिक्षण अनिवार्य होना चाहिए। वह दल के इतिहास, नेताओं के जीवन, दल के आदर्शों, सिद्धांतों, नीतियों और कार्यक्रमों से भली-भांति परिचित हो जाए, इसके लिए उसे बाकायदा एक परीक्षा पास करनी चाहिए। आठवां, थोक वोट या वोट बैंक की राजनीति पर प्रतिबंध होना चाहिए। किसी भी दल को जाति या संप्रदाय के आधार पर राजनीति नहीं करने दी जानी चाहिए। यदि इस नियम का कड़ाई से पालना हो तो देश के कई राजनीतिक दलों को अपना बिस्तर-बोरिया गोल करना पड़ेगा। नौवां, किसी भी दल के उच्च पदों पर एक परिवार का एक ही सदस्य रहे, उससे ज्यादा नहीं। इस प्रावधान के कारण हमारे राजनीतिक दल प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां बनने से काफी हद तक बच सकेंगे। दसवां, सत्ताग्रह दल जागरूक रहे और विरोधी दल रचनात्मक भूमिका निभाते रहें, इसके लिए जरुरी है कि सभी राजनीति दल अपने सभी कार्यकर्ताओं के लिए तीन-दिवसीय या पांच-दिवसीय प्रशिक्षण शिविर लगाएं, जिनमें उनके साथ विचारधारा, सिद्धांतों और नीतियों पर खुला विचार-निमर्श हो। ग्यारहवां, सभी दलों के पदाधिकारी और चुने गए नेताओं के लिए यह अनिवार्य होना चाहिए कि वे अपनी और अपने परिवार की पल-अचल संपत्ति का ब्यौरा हर साल सार्वजनिक करें। ताकि देश को पता चले कि:

राजनीति है सेवा का घर, खाला का घर नाय ।

जो सीस उतारे कर धरे, सो पैंठे घर मार ।।

पाठकों की बात

सब तेरे हैं सब का

सब तेरे हैं सब का तू है
उपवन तू ही तू ही खुशबू है
तू ही सृष्टि हैहर प्राण में तू है
तू ही सार है है रिक तो तू है
रचे शब्द हैं तेरे हर भाषा तू है
हेजड़ है तू ही चेतन मैं तू है
हर राग है तेरा हर ताल में तू है
हेहर रस तेरा है हर भाव में तू है
सभी प्यास तेरी हैवर्षा में तू है
निर्दयां है तेरी सागर भी तू है
उपचार भी तू है उपहार में तू है
संहार दिया तेरा पालनहार जब तू है।

- मुनश शर्मा

काबर गोठ चटराही करथस तैं ह जी

काबर गोठ चटराही करथस तैं ह जी
बिन सुल के आ संगी जोर खांध
म खांध रहिबोन सब मिल जुल के
बैरी ननजतिया तो रचथेच
चाल हमला छरियाए के आ एक ले
एक मिल ग्यारा हो जाइन
दिन बितही मुसकुल के

- कवि सुशील भोले

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ख़ास प्ताती. एक बिरवा उगा था तुलसी



एक बिरवा उगा था तुलसी का
कितनें ओं थे वन मन में छितरा उठती थी
धूप सुबह से चादनीं छत से उतरती
दबे पाँव चाँद सूरज सितारे सब अपने थे
कितना बेफ़ि़क़ था मेरा अपना गाँव
घेर रक्खा है उन्होंने बस ये कहकर
मेरे संग होंगे तुम्हारी शोहरत होगी
जब भी उतरा एक कतरा

बचते बचते शर्म से भरे आँगन में
झपट लिया झट बुलंद बिल्डिंगों में
मेरी आँगन की सारी शोखियाँ गुम हैं
जब से शहरों से उसने दोस्ती की है।

- प्रतिभा शर्मा

ऐ बनारस! मुझे बस इतना बता

ऐ बनारस! तेरी जुलूनजू सदियों से है, कि तू जिंदा रहे मुझमें
मेरी आखिरी साँसों तक, ऐ बनारस! तेरी खुशबू, फूलों सी है, तू बिखर जाए मुझमें
समा जाए मेरी रूह में, साँस लूँ तो खुशबू तेरी ही आए, ऐ बनारस!
जब आखिरी साँस में लूँ तेरी मिट्टी
मुझसे लिपट जाये संगंगा तू समा लेना
मुझको खुद में बाद भरने के ये रूह सबनारस हो जाये।

-- शिल्पी अग्रवाल

भूख से ये तड़प्ती रही जिन्दगी पी

भूख से ये तड़प्ती रही जिन्दगी पी
कर पानी सदा में बुझाता रहा
दाल रोटी कभी चैन की ना मिली
जिन्दगी भर सदा में कमता रहा
छंद गीतों का 'मुझको नहीं ज्ञान है'
लिख दिया जो उसे गुनगुना रहा
नेह विस्वास का दीप दिल में जला
हर घडी प्रेम के गीत गाता रहा !!

- संजय कुमार गिरि



रमेश पोश्यरियाल ‘निशंक’

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री

आज की दुनिया में उनके विचार और भी ज्यादा प्रासंगिक तब हो गए हैं जब ज्यादातर शिक्षा मिश्रित ई-लर्निंग की ओर बढ़ रही है। भारत सरकार ने प्रधानमंत्री ई-विद्या को शुरू किया है ताकि टीका (एक राष्ट्र-एक डिजिटल लैंग्वेज), टीपी (एक कथा-एक पैगेल), स्वयंम, सामुदायिक रेडियो और सीबीएसई शिक्षा गायी पॉडकास्ट और डिजिटल बच्चों के लिए अद्यतन सामग्री आदि के माध्यम से शिक्षा तक एक बहु-मोडल पहुंच प्रदान की जा सके। ये सब सार्वजनिक घरों में गुणवत्ता भरी ई-सामग्री की उपलब्धता का युग लेकर आयेगे और इस प्रकार प्रौद्योगिकी, शिक्षा में समानता का अद्भुत बन जाएगा। नेल्सन मंडेला के विजन में शिक्षा के लिए एक परिवर्तनकारी शक्ति है।भारत में शिक्षा का रास्ता उपलब्धता, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के आधारभूत स्तंभों पर स्थापित है जैसा कि हमारी नई शिक्षा नीति में उल्लेखित है और यही सब मंडेला के दिल के बहुत करीब थे। राखीजन हम उनसे प्रेरणा लेते हैं क्योंकि हम प्रत्येक शिक्षार्थी की रचनात्मक क्षमता का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके साथ ही वे सामाजिक, आर्थिक और दार्शनिक रूप से स्वतंत्र बन सकें इसके लिए उन्हें सशक्त बनाने को भी हम प्रतिबद्ध हैं ताकि भारत को वैश्विक ज्ञान के केंद्र में बदलने के लिए समानता के दृष्टिकोण से वे योगदान कर सकें।



रमेश सर्राफ

राजस्थान में झुंझुनू जिले के बेरी गांव में 20 मई 1918 को ठाकुर लालसिंह शेखावत के घर जन्मे पीरूसिंह चार भाईयों में सबसे छोटे थे। पीरूसिंह राजपूताना राईफ़्ल्स की छठी बटालियन की डी कम्पनी में हवलदार मेजर थे। 1947 के भारत-पाक विभाजन के बाद जब कश्मीर पर कबालियों ने हमला कर हमारी मातृभूमि का कुछ हिस्सा दबा बैठे तो कश्मीर नदेश ने अपनी रियासत को भारत में विलय की घोषणा कर दी। इस पर भारत सरकार ने अपनी भूमि की स्थायें वहां सेना भेजी। इसी विलसिले में राजपूताना राईफ़्ल्स की छठी बटालियन की डी कम्पनी को भी टिथवाल के दक्षिण में तैनात किया गया था। 5 नवम्बर 1947 को भयंकर संघर्ष में यह बटालियन हवाई गल्लज से वहां पहुँची। श्रीनगर की रक्षा करने के बाद उरी सेक्टर में पाक कबायली हमलावों को खदेड़ने में इस बटालियन ने बड़ा साहसी कार्य किया था।

शिक्षा प्रणाली के लिए नेल्सन मंडेला के विचारों की प्रासंगिकता

18 जुलाई को पूरी दुनिया में ‘अंतर्राष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस’ के रूप में मनाया जाता है।माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रा मोदी ने उन्हेंस श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, ‘अतिप्रिय मेदीबा के उत्कृष्ट कार्य, आदर्श और सिद्धांत हमें निरंतर प्रेरित करते रहते हैं। उन्होंने शांति, समानता और सेवा भाव की जीत को सही मायनों में अभिव्य क्त किया।’ आजइस स्तंभ के माध्यम सेमैं शिक्षा के क्षेत्र में उनके अनमोल विचारों और राय को साझा कर रहा हूं। इसके तहत उनके अनमोल विचारों को भारतीय शिक्षा प्रणाली के गुणात्मक विकास की व्यापक गुंजाइश और संभावनाओं से जोड़ने का प्रयास किया गया है। मंडेला ने अपनी आत्मकथा ‘लॉनाम वॉक टू फ्रीडम’ में बताया है कि किस संस्थान से शिक्षा ने उनके जीवन के विभिन्न दौर को सकारात्म क रूप से प्रभावित किया। जेल में रहने के बावजूदउन्होंने पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से अपनी कानूनी शिक्षा प्राप्त की।शिक्षा के विषय में मंडेला काअत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्नसदैव ‘शिक्षा के उद्देश्य’ से संबंधित होता था। उनकी राय यह थी कि शिक्षा बड़ी अनमोल है क्योंकिइससे कई उद्देश्यों की पूर्ति होती है।

व्यक्तिगत विकास के साधन के साथ-साथ अवसर की समानता के एक उपयुक्ता वाहकया साधन के रूप में शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने यह राय व्यक्त की थी: ‘शिक्षा व्यक्तिगत विकास का सर्वोत्तम इंजन है। यह शिक्षा ही है जिसके माध्यमय से किसान की बेटी डॉक्टर बन सकती है, खदान कर्मचारी का बेटा खदान का प्रमुख बन सकता है, खेतिहर मजदूर का बेटा एक महान राष्ट्र का राष्ट्रपति बन सकता है।’ इस प्रकार उनका यह स्पष्टस मानना था कि शिक्षा में किसी भी व्यक्ति को ‘सामाजिक, आर्थिक और दार्शनिक रूप से’बंधनों से मुक्त करने की अपार क्षमता है।

मेदीबा की यह स्मथष्टि राय थी किशिक्षा केवल औपचारिक संस्थानों तक ही सीमित नहीं है। उनके ही शब्दों में: ‘‘सर्करी सोच वाले व्यक्ति कोयह समझाना कठिन है कि‘शिक्षित’ होने का मतलब यह नहीं है कि संबंधित व्यक्ति साक्षर हो और उसके पास बीए की डिग्री हो। सच तो यह है कि एक अनपढ़ आदमी ऊंची डिग्रीपाने वाले किसी व्यक्ति की तुलना में कहीं अधिक ‘शिक्षित’ मतदाताहो सकता है।’’ उनके उत्कृष्टचर्चित्वार भारत की नई शिक्षा नीति के मसौदे में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होते हैं।इस नीति में किसी व्य?क्ति को अपने कार्य-क्षेत्र (फ़िल्ड) में विशेषज्ञों से प्राप्त विशिष्ट ज्ञान के मूल्य के साथ-साथ कौशल को भी सहज रूप से मान्यता दी गई है, भले ही उसके पास कोई प्रोफेशनल डिग्री न हो।नीति

में यह बात रेखांकित की गई है कि विभिन्न क्षेत्रों के स्थानीय विशेषज्ञों या जानकारों जैसे कि बर्द्ध, राजमिस्त्री, इत्या दि को कौशल शिक्षा प्रदान करने के लिए स्कूलों में औपचारिक रूप से बुलाया जाएगा।यही नहीं, इससे भी कई और कदम आगे बढ़ते हुएनीति में यह भी कहा गया है कि उच्च प्राथमिक

कक्षाओं के विद्यार्थियों की स्थानीय शिल्पकारों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों या जानकारों के साथ दस-दिवसीय इंटरनशिप होगी। इसका उद्देश्य न केवल इन विशेषज्ञों या जानकारों से उनके विशिष्ट कौशल या ज्ञान को सीखना है, बल्कि समाज की प्रगति और विकास में इन स्वयं-निपुण विशेषज्ञों और कुशल व्यक्तियों के बहुमूल्यन योगदान से विद्यार्थियों को अवगत करानाभी है।

मेदीबाका यह स्पष्ट मानना था कि शिक्षा सशक्तिकरण और व्यापक बदलावों का एक अहम साधन है।हालांकि, इस उद्देश्य को पूरा करने के लिएशिक्षा को प्रासंगिक बनाने की नितांत आवश्यकता है।शिक्षा से संबंधित उनके प्रसिद्ध उद्धरणों में से एक यह है- ‘शिक्षासबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं।’ शिक्षा को पूर्वाग्रह के दुश्मन के रूप में भी देखा जाता था। इसे ध्योन में रखते हुए मंडेला ने कहा, ‘शिक्षा की ताकत उन कौशलों के विकास से भी काफी परे है जो हमें आर्थिक कामयाबी के लिए चाहिए। यह राष्ट्र निर्माण और सामंजस्य स्थापित करने में भी अहम योगदान दे सकती है।’ नेल्सनसन मंडेला के अनमोल विचारों को प्रतिबिंबित करते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय एक ऐसी नीति लेकर आ रहा हैजिसमें इस बात की परिकल्पना की गई है कि हमारे संस्थानों का पाठ्यक्रम और अध्यापननिश्चित तौर पर विद्यार्थियों में मौलिक कर्तव्यों एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति समान की भावना, अपने देश के साथ जुड़ाव, औरबदलती दुनिया में अपनी भूमिकाओंएवं

जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता विकसित करेगा।

आधुनिक शिक्षा की राह पर आगे बढ़ते हुए हमें अपने सांस्कृतिक इतिहास को कभी नहीं भूलना चाहिए। मंडेला ने कहा था कि इंसान को अपने सांस्कृतिक इतिहास को जानने और समझने की जरूरत है, जैसे कि संगीत, कला, नृत्य और स्थानीय भाषा। उन्होंने माना था कि अपने निजी जीवन में उन्होंने सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के माध्यम से अपने देश और वहां के लोगों के बारे में बहुत कुछ सीखा। भारत का सचियों पुराना एक समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास है। हमारा मंत्रालय एक नई शिक्षा नीति लेकर आ रहा है। इस नीति का सपना, सीखने वालों में भारतीय होने का गहरा गौरव भरना है, केवल विचार के स्तर पर ही नहीं बल्कि मूल भावना, बुद्धिऔर कर्मों के स्तर पर भी। साथ ही उममें ऐसे ज्ञान, कौशल, मूल्यों और रचियों को विकसित करना है जो मानवाधिकारों, सतत विकास, जीवन और वैश्वक भलाई के लिए जिम्मेदारी भरी

प्रतिबद्धता को समर्थन करते हों जिससे सच्चे अर्थों में उनमें एक वैश्वक नागरिक प्रतिबिंबित हो सके। मंडेला ने हमेशा अनुशासन, कड़ी मेहनत और शारीरिक तंदुरुस्ती पर जोर दिया और उन्होंने बड़ी ईमानदारी से अपने खुद के जीवन में इन चीजों का अभ्यास किया। उन्होंने कहा: +मैंने पाया है कि जब मैं अच्छी शारीरिक स्थिति में था तब मैंने बेहतर काम किया और अधिक स्पष्ट रूप से सोच सका। और इसलिए कसरत मेरे जीवन के दृढ़ विषयों में से एक बन गई+। जब वे छिपकर राज करते थे उन अवधियों के दौरान भी उसी जगह पर जाँगींग के लिए समय निकाल लेते थे। व्यायाम और शारीरिक तंदुरुस्ती न केवल निजी जीवन में उनके लिए महत्वपूर्ण थे, बल्कि वे उनके शैक्षिक दर्शन का भी एक अनिवार्य हिस्सा बन गए। जब भारत सरकार ने नागरिकों के दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधि / खेल को बढ़ाने के लिए 29 अगस्त 2019 को ‘फिट इंडिया मूवमेंट’ की शुरुआत की तो उसने शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को एक ही निरंतरता की तरह लेने की सदैव्यों पुरानी भारतीय संस्कृति को दोहराया, जैसा कि मंडेला ने किया था। कंप्यूटर साक्षरता पर मेदीबा के विचारों को देखना बहुत प्रसन्न करने वाला है। वास्तव में वे विचार काफी आधुनिक थे। मंडेला ने शिक्षकों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि ग्रेड 1 से ही शिक्षार्थी कंप्यूटर में साक्षर हों।

इस प्रकार वे चाहते थे कि आज के शिक्षार्थी समकालीन तकनीकी विकास के साथ तालमेल रखें।

पीरूसिंह के शौर्य से हार गया था पाकिस्तान

भारत चीन सीमा पर इस वक्त भारी तनाव बना हुआ है। दोनों देशों की सेना आमने सामने डटी हुई है। पिछली 15 जून की रात को दोनों देशों के सैनिकों में हिंसक झड़प भी हो चुकी है। जिसमें भारत के बीस वीर जवान शहीद हुए थे। वहीं चीन के भी कई दर्जन सैनिक मारे गए थे। सीमा पर युद्ध के हालात में दोनों देशों के सैन्य कमांडर आपसी वार्ता कर शांति बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। इधर पाकिस्तान भी सीमा पर सैन्य गतिविधियां बढ़ा रहा है। ऐसे में हमें याद आते हैं 1948 में भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए हवलदार मेजर पीरूसिंह शेखावत। जिन्हें युद्ध में अदम्य बहादुरी के लिए भारत सरकार ने मरणोपरान्त परमवीर चक्र से सम्मानित किया था। मौजूदा हालात में परमवीर पीरूसिंह जैसे सैनिकों की वीरता की कहानियां सीमा पर डटे हमारे सैनिकों में एक नए जोश का संचार करती है। उन्हें भारत माता की सीमा की रक्षा करते हुए मर मिटने की प्रेरणा देती है।

रणबाकुलों की धरती का झुंझुनू जिला राजस्थान में ही नहीं अपितु पूरे देश में वीरता के क्षेत्र में अपना अलग ही स्थान रखता है। पूरे देश में सर्वाधिक सैनिक देने वाले इस जिले की मिट्टी के कण-कण से वीरता टपकती है। देश के खातिर स्वयं को उत्सर्ग कर देने की परम्परा यहां सदियों पुरानी है। मातृभूमि के लिए हंसते-हंसते मिट जाना यहां गर्व की बात है। देश के लिये मिट जाने की परम्परा में नये आयाम स्थापित किये 1947-48 में पाक समर्थित कबालियों से युद्ध में हवलदार मेजर पीरूसिंह शेखावत ने। जब उन्होंने देश हित में स्वयं को कुर्बान कर देश की आजादी की रक्षा की थी।

राजस्थान में झुंझुनू जिले के बेरी गांव में 20 मई 1918 को ठाकुर लालसिंह शेखावत के घर जन्मे पीरूसिंह चार भाईयों में सबसे छोटे थे। पीरूसिंह राजपूताना राईफ़्ल्स की छठी बटालियन की डी कम्पनी में हवलदार मेजर थे। 1947 के भारत- पाक विभाजन के बाद जब कश्मीर पर कबालियों ने हमला कर हमारी मातृभूमि का कुछ हिस्सा दबा बैठे तो

कश्मीर नरेश ने अपनी रियासत को भारत में विलय की घोषणा कर दी। इस पर भारत सरकार ने अपनी भूमि की रक्षाथें वहां सेना भेजी। इसी विलसिले में राजपूताना राईफ़्ल्स की छठी बटालियन की डी कम्पनी को भी टिथवाला के दक्षिण में तैनात किया गया था। 5 नवम्बर 1947 को भयंकर सर्दी के मौसम में यह बटालियन हवाई जहाज से वहां पहुंची। श्रीनगर की रक्षा करने के बाद उरी सेक्टर से पाक कबायली



18 जुलाई शहादत दिवस पर विशेष

हमलावरों को खदेड़ने में इस बटालियन ने बड़ा साहसी कार्य किया था। मई 1948 में छठी राजपूत बटालियन ने उरी और टिथवाल क्षेत्र में झेलम नदी के दक्षिण में पीरखण्डी और लेखिण क्षेत्र में तैनात किया गया था। 5 नवम्बर 1947 को भयंकर संघर्ष में यह बटालियन हवाई गल्लजों पर कब्जा करने में विशेष योगदान दिया। इन सभी कार्यवाहियों के दौरान पीरूसिंह ने अद्भुत नेतृत्त्व और साहस का परिचय दिया। जुलाई 1948 के दूसरे सप्ताह में जब दुश्मन का दबाव टिथवाल क्षेत्र में बढ़ने लगा तो छठी बटालियन को उरी क्षेत्र से टिथवाल क्षेत्र में भेजा गया। टिथवाल क्षेत्र की सुरक्षा का मुख्य केन्द्र दक्षिण में 9 किलोमीटर पर रिहमार गली था। जहां की सुरक्षा को निरन्तर खतरा बढ़ता जा रहा था। अतः टिथवाल पहुंचते ही राजपूताना

राईफ़्ल्स को दारापाड़ी पहाड़ी की बनेवाल दारारिज पर से दुश्मन को हटाने का आदेश दिया गया था। यह स्थान पूर्णतः सुरक्षित था और ऊंची-ऊंची चट्टानों के कारण यहां तक पहुंचना कठिन था। जगह तंग होने से काफी कम संख्या में जवानों को एक ही निरंतरता की तरह लेने की सदैव्यों पुरानी पीरूसिंह कर रहे थे। पीरूसिंह की प्लाटून आगे बढ़ती गई। उस पर दुश्मन की दोनों तरफ से लगातार गोलियां बरस रही थी। अपनी प्लाटून के आधे से अधिक साथियों के मारे जाने पर भी पीरूसिंह ने हिम्मत नहीं हारी। वे लगातार अपने साथियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते रहे एवं स्वयं अपने प्राणों की परवाह न कर आगे बढ़ते रहे। वे अन्त में उस स्थान पर पहुंच गये जहां मशीन गन से गोले बरसाये जा रहे थे। उन्होंने अपनी स्टेशनगन से दुश्मन के सभी सैनिकों को भून दिया जिससे दुश्मन के गोले बरसने बन्द हो गये। जब पीरूसिंह को यह अहसास हुआ कि उनके सभी साथी मारे गये तो वे अकेले ही आगे बढ़ चले। रक्त से लहू-लुहान पीरूसिंह अपने हथगोलों से दुश्मन का सफ़या कर रहे थे। इतने में दुश्मन की एक गोली आकर उनके माथे पर लगी और गिरते- गिरते भी उन्होंने दुश्मन की दो खंदकें नष्ट कर दी। अपनी जान पर खेलकर पीरूसिंह ने जिस अपूर्व वीरता एवं कर्तव्य परायणता का परिचय दिया था। वह भारतीय सेना के इतिहास में शौर्य का एक महत्त्वपूर्ण अध्याय है। देश हित में पीरूसिंह ने अपनी विलक्षण वीरता का प्रदर्शन करते हुये अपने अन्य साथियों के समक्ष अपनी वीरता, दृढ़ता व मजबूती का उदाहरण प्रस्तुत किया। इस कारनामे को विश्व के अब तक के सबसे साहसिक कारनामों में से एक माना जाता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने उस समय उनकी माता श्रीमती तारावती देवी को लिखे पत्र में लिखा था कि देश क्रीमती हवनदार मेजर पीरू सिंह का मातृभूमि की सेवा में किए गए उनके बलिदान के प्रति कृतज्ञ है।

QUIZ TIME

1) हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या कितनी की गई है?

(क) 31 (ख) 32 (ग) 34 (घ) 38

2) प्रयोगशाला उपकरण बनाने के लिए किस काँच का प्रयोग होता है?

3) ताल छापए अन्याएण्ट किस राज्य में अवस्थित है? (राजस्थान /

महाराष्ट्र)

4) किस व्यक्ति की मृत्यु के उपरान्त उसकी संपत्ति के हस्तान्तरण के समय लगाए जाने वाले कर को वया कहते हैं?

5) कोप25 का आयोजन कहाँ किया गया?



Ramaquiz

उत्तरमात्रा- (1) 34 (2) 34 (3) राजस्थान (4) महाराष्ट्र

आज का इतिहास

नई दिल्ली । 1872- ब्रिटेन में गुप्त मतदान प्रक्रिया की शुरुआत हुई। 1918- नोबेल पुरस्कार से सम्मानित दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला का जन्मदिन। 1927- गजाल सम्राट मेहदी हसन का जन्मदिन। 1943- ब्रिटेन की सेना ने इटली के कटानिया शहर पर हमला किया। 1947- भारतीय स्वाधीनता अधिनियम को ब्रिटेन की संसद में स्वीकृति मिली। 2002- तेल अवीव में बम विस्फोट में छह मरे, 40 घायल। 2012- फ़िल्म जगत के सुपरस्टार राजेश खन्ना का निधन।



सुधियों के पल गिनते- गिनते मैं

सुधियों के पल गिनते- गिनते मैं तो सब कुछ हार गयी,
प्रियतम तेरे दर्शन को जाने मैं कितनी बार गयी,
तेरे मीठे बोल मुझे मुझसे वंचित कर देते हैं। मैं बहती ऐसे जग में
ज्यों गंगा सागर पार गयी।



- चंद्रकांता अग्नीहोत्री

न्यूज गैलरी

ऊबर ने प्रभजीत सिंह को इंडिया एवं साउथ एशिया का अध्यक्ष किया नियुक्त

नई दिल्ली । ऐप आधारित टैक्सी सेवा प्रदान करने वाली कंपनी ऊबर ने आज श्री प्रभजीत सिंह को ऊबर इंडिया एवं साउथ एशिया का अध्यक्ष नियुक्त किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि श्री सिंह कंपनी के मोबिलिटी कारोबार के विकास को आगे ले चलने तक ले जाने तथा भारत, श्रीलंका और बंगलादेश में राइडों और ड्राइवों को सुरक्षित अनुभव प्रदान करने के लिए उत्तरदायी होंगे। वे तुरंत इस पद का कार्यभार संभालेंगे।

श्री सिंह आईआईटी खड़गपुर एवं आईआईएम-अहमदाबाद के पूर्व छात्र हैं, जो अगस्त 2015 में मैककिन्से एण्ड कंपनी से आकर ऊबर में शामिल हुए। तब से वह कंपनी की कोर टीम के साथ जुड़े हुए हैं। यही टीम ग्लोबल बिजनेस मॉडल को भारत लेकर आई। कई नए शहरों में कंपनी की सेवाओं का लॉन्च किया, भारत में कई इन्वेंशनस पहली बार पेश किए जैसे ऑटो एवं मोटो कैटेगरी में विस्तार, मल्टी-मॉडल प्लेटफॉर्म का निर्माण, इन दोनों को अन्य उभरते बाजारों में निर्यात किया गया है।

एल एंड टी फाइनेंस का मुनाफा घटा

नई दिल्ली । गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी एल एंड टी फाइनेंस होल्डिंग्स का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अधिक प्रावधान किये जाने के कारण मुनाफा घटकर 148 करोड़ रुपये पर आ गया जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह राशि 549 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी ने आज जारी बयान में कहा कि जून में समाप्त इस तिमाही में उसने 577 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है जिससे उसकी बैलेंस शीट मजबूत हो गयी है। इस प्रावधान को मिलाकर उसका लाभ 580 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में उसकी मांग बेहतर रही है और अब वह तेजी से अपने विस्तार पर जोर दे रही है।

कोल इंडिया में विनिवेश की खबर निराधार : जोशी

नई दिल्ली । केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कोल इंडिया में विनिवेश के संबंध में मीडिया में आयी खबरों को पूरी तरह निराधार और गलत बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है। श्री जोशी ने गुस्से का टवीट करके विनिवेश की खबरों का खंडन करते हुए कहा, "कोल इंडिया में विनिवेश किये जाने के बारे में फैल रही खबर पूरी तरह गलत एवं आधारहीन है। सरकार ने ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है। सरकार कोल इंडिया लिमिटेड को और मजबूत करने के कदम लगातार उठा रही है। उल्लेखनीय है कि मीडिया में चंद दिनों में पहले यह खबर आयी थी कि सरकार कोल इंडिया में अपनी करीब 15 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। जिससे करीब 20,000 करोड़

सैंसेक्स साढ़े चार महीने बाद 37 हजारी, नफ्टी 161.75 अंक चढ़ी

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन लिवाली से बीएसई का सेंसेक्स करीब साढ़े चार महीने बाद 37 हजार अंक के पार और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 10,900 अंक के पार बंद हुआ।

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेत और घरेलू स्तर पर आर्थिक गतिविधियों में तेजी से निवेशकों का विश्वास मजबूत हुआ है। चोतरफा लिवाली के दम पर सेंसेक्स 548.46 अंक यानी 1.50 प्रतिशत उछलकर 37,020.14 अंक पर तथा निफ्टी

161.75 अंक अर्थात 1.51 फीसदी की बढ़त के साथ 10,901.70 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों सूचकांकों का 06 मार्च के बाद का उच्चतम स्तर है।

बाजार में शुरू से ही तेजी रही और आखिरी एक घंटे में ग्राफतेजी से ऊपर की ओर भागा। आईटी और टेक सेक्टरों को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में निवेशक लिवाल रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में ओएनजीसी का शेयर साढ़े पाँच प्रतिशत चढ़ा। टाइटन और रिलायंस इंडस्ट्रीज में साढ़े तीन फीसदी से अधिक की बढ़त रही। एचडीएफसी



बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फह्रेंस के शेयर भी तीन प्रतिशत से अधिक चढ़े। टीसीएस को करीब डेढ़ फीसदी का नुकसान

हुआ। मझौली और छोटी कंपनियों में भी निवेशकों ने खूब पैसा लगाया। बीएसई का मिडकैप 1.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ

13,530.75 अंक पर स्मॉलकैप 1.11 प्रतिशत चढ़कर 12,782.53 अंक पर बंद हुआ। विदेशों में अधिकतर प्रमुख एशियाई बाजार हरे निशान में रहे। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.80 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 0.47 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.13 फीसदी की बढ़त में बंद हुआ जबकि जापान का निक्की 0.32 प्रतिशत लुढ़क गया। यूरोप में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफ्टीएसई 0.42 प्रतिशत और जर्मनी का डैक्स 0.31 प्रतिशत मजबूत हुआ। सेंसेक्स 76.07

अंक की तेजी के साथ 36,547.75 अंक पर खुला और इसके बाद पूरे दिन हरे निशान में रहा। सुबह के कारोबार में ही 36,512.92 अंक के दिवस के निचले स्तर को छूने के बाद लगातार चढ़ता हुआ कारोबार की समाप्ति से पहले यह 37,125.98 अंक पर पहुँच गया। अंत में यह गत दिवस की तुलना में 1.50 प्रतिशत ऊपर 37,020.14 अंक पर बंद हुआ। इनमें 1,645 में लिवाली और 998 में बिकवाली का जोर रहा जबकि शेप 156 कंपनियों के शेयर दिनभर के उतार-

चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित बंद हुये। निफ्टी भी 12.05 अंक की बढ़त में 10,752 अंक पर खुला। यह ऊपर 10,933.45 अंक तक और नीचे 10,749.65 अंक तक गया। अंत में गत दिवस की तुलना में 1.51 फीसदी की मजबूती के साथ 10,901.70 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 41 के शेयरों में लिवाली और अन्य आठ में बिकवाली का जोर रहा जबकि जी इंटरटेनमेंट लिमिटेड का शेयर अपरिवर्तित बंद हुआ।

1377 निर्यातकों का फर्जीवाड़ा,1875 करोड़ का जीएसटी रिफंड का किया दावा

जीएसटी रितर्न भरने में देरी के लिए अधिकतम फाइन 500 रुपए तय

नई दिल्ली । 1377 निर्यातकों ने धोखाधड़ी के जरिए आईजीएसटी रिफंड के लिए 1,875 करोड़ रुपये का दावा किया है। वित्त मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक ऐसे निर्यातकों का व्यापार स्थान ट्रेस नहीं किया जा सका है। अब ये एक्सपोर्टर अपने व्यापारिक ठिकानों से लापता हो गए हैं। बता दें फर्जीवाड़ा करने वाले निर्यातकों की इस संख्या में 7 निर्यातक स्टार निर्यातक की श्रेणी में हैं। वहीं तीन 'स्टार निर्यातकों' की प्रतिकूल रिपोर्ट भी मिली है। इन 10 'स्टार निर्यातकों' द्वारा दावा किए जाने वाले दृढस्वरूप रिफंड की राशि 28.9 करोड़ रुपये बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक अब तक 7,516 निर्यातक जोखिम वाली निर्यातक सूची में हैं। इनमें से 2,830 जोखिमपूर्ण निर्यातकों के 1,363 करोड़ रुपये के आईजीएसटी रिफंड या ड्रॉबैक निलंबित कर दिया गया है।



जोखिम भरे निर्यातकों के खिलाफ सीबीआईसी ने 115 करोड़ रुपये के आपराधिक मामलों का पता लगाया गया है, जिनमें से अभी तक मिले 234 सप्लायर्स के वैरिफिकेशन में से 82 सप्लायर्स अपनी जगहों से लापता हैं। बता दें केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2018-19 की वार्षिक जीएसटी रितर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि को तीन माह बढ़ाकर सितंबर 2020 तक कर दिया है। उद्योग एवं व्यावसाय के पक्ष में

किया गया है। केंद्रीय अग्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने एक बयान में कहा, "जीएसटी करदाताओं को राहत देने के लिए सरकार ने जुलाई 2017 से जुलाई 2020 की अवधि के लिए जीएसटीआर-3बी फॉर्म भरने को लेकर अधिकतम विलम्ब शुल्क 500 रुपए प्रति रितर्न पर सीमित कर दिया है। हालांकि, यह सुविधा तभी उपलब्ध होगी जब इस अवधि की जीएसटीआर-3बी रितर्न 30 सितंबर 2020 से पहले भर दी जाए। सीबीआईसी ने अधिसूचित किया है कि अगर कोई कर देनदारी नहीं बनती है तो कोई विलम्ब शुल्क नहीं होगा। अगर कोई कर देनदारी बनती है, तो अधिकतम विलम्ब शुल्क 500 रुपए प्रति रितर्न होगा, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि जीएसटीआर-3बी रितर्न 30 सितंबर 2020 तक दाखिल कर दी जानी चाहिए।

वजीर गुप का भारत में कारोबार विस्तार की योजना

नई दिल्ली (वार्ता)। दुबई के इमिग्रेशन कंसल्टेंट वजीर गुप ने भारत में कारोबार विस्तार की योजना बनाते हुये दिल्ली में स्थानीय कार्यालय शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि वजीर गुप की शाखाएं कनाडा में भी हैं। कंपनी को निवेशकों तथा उद्यमियों के इमिग्रेशन में विशेषज्ञता प्राप्त है। साथ ही कनाडा के फ्रैंच वर्कर प्रोग्राम में भी वजीर गुप की भागीदारी है। पिछले कुछ वर्षों में कनाडा और यूएई के अपने कार्यालयों के जरिये इसने श्रीलंका, बंगलादेश, लेबनान और मिस्र समेत कई देशों में उपस्थिति दर्ज कराई है और लोगों को इमिग्रेशन में सहायता की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

भोपाल में कोरोना बेलगाम

आगे भी लॉकडाउन जारी रहेगा। उन्होंने पूरे प्रदेश को एक साथ हर रोज लॉकडाउन करने की बात को नकार दिया। मिश्रा ने कहा कि अभी ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है और न ही कोई योजना है। हां स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन का निर्णय फ्राइडस मैनेजमेंट कमेटीयां करती हैं। शुक्रवार को सबसे पोंश कालोनी अरेरा कालोनी 5, रिवेरा टाउन से एक, इब्राहिमगंज से 1, फॉर्चुन प्राइड गुलमोहर कालोनी से 2, सहयोग विहार बावर्िया कला से 2, नीलकंठ कालोनी से दो और ये एक ही परिवार की महिलाएं हैं। टीलाजमालपुर से 2, दुर्गा मंदिर नीलबड़ से 3, सीआरपीएफ कैंप बांगरसिया से एक जवान और आई हाउस ई-4 से 4 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं।

मय में कोरोना इफेक्ट :

सत्र चलाना उपयुक्त नहीं होगा। इसलिए अध्यक्ष से चर्चा के बाद सत्र स्थगित करने का फैसला किया गया है। संवैधानिक कार्यों को पूर्ण करने के लिए

हम लोग चर्चा करेंगे। इस दौरान वित्त वर्ष 2020-21 के लिए बजट भी पारित कराना था। माना जा रहा है कि अब बजट पारित करने के लिए अन्य संवैधानिक विकल्पों जैसे अध्यादेश के उपयोग पर भी विचार किया जाएगा। इसके पहले मार्च में भी सरकार ने चार महीने के लिए अध्यादेश लाकर खर्च का इंतजाम किया था। मौजूदा कोरोना काल के दौरान लगभग आधा दर्जन विधायक भी कोरोना संक्रमण के शिकार हो चुके हैं। विधानसभा के कुछ कर्मचारी, राज्य सरकार के अधिकारी कर्मचारी और मीडिया से जुड़े लोग भी कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं।

कोई भी ताकत नहीं...

कि बातचीत से विवाद को सुलझा लिया जाता है तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता है। बता दें कि चीन और पाकिस्तान के साथ सीमा पर तनाव के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लद्दाख और जम्मू-कश्मीर की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। शुक्रवार को वे पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल विपिन रावत, सेना प्रमुख जनरल एमएस नरवणे के साथ लेह पहुंचे। इसके बाद लद्दाख गए। लद्दाख में रक्षा मंत्री ने सेना के जवानों के साथ बात की। रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह ने लुकांग में बिपिन रावत और सेना प्रमुख जनरल एमएस नरवणे के साथ भारतीय सेना और आईटीबीपी के जवानों के साथ बातचीत की। यहां उन्होंने जवानों को मिठाइयां भी खिलाई। राजनाथ सिंह ने लद्दाख में जवानों को कहा, "हाल ही में पेट्रोलिंग प्लांट 14 पर भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प के दौरान हमारे कुछ जवान शहीद हो गए।

कांग्रेस को एक और झटका

चौहान से मुलाकात के बाद प्रदेश भाजपा मुख्यालय पहुंची। उन्होंने सीएम शिवराज, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया और अन्य नेताओं की मौजूदगी में विधिवत भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। पूर्व विधायक सुमित्रा देवी कासडेकर ने कहा कि मध्यप्रदेश में जब कांग्रेस की 15 महीने की सरकार थी, तब विधायक होने के नाते क्षेत्र के विकास को लेकर मैं मुख्यमंत्री कमलनाथ से मिलने भोपाल जाती थी। लेकिन, मुख्यमंत्री को विधायकों से मिलने की फुरसत ही नहीं होती थी। हमारी कोई सुनवाई नहीं होती थी। कासडेकर ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा भरे साथ उपेक्षा का व्यवहार किया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए ही मैंने

अमेजनडॉटइन के इलेक्ट्रॉनिक तथा अन्य उपहार एक जगह

बैंगलुरु। कोरोना संक्रमण काल में लोग घर से बाहर निकलने से परहेज कर रहे हैं जिसे ध्यान में रखते हुए अमेजनडॉटइन ने भाई-बहन के पत्रिच और बहुप्रतीक्षित त्योहार रक्षाबंधन को सुगमता से मनाने के लिए शुक्रवार को यहां अपना 'राखी स्टोर' लॉन्च किया। इस वर्ष रक्षाबंधन का त्योहार तीन अगस्त को मनाया जाना है। अमेजन के विशेष रूप से तैयार राखी स्टोर राखी पर फैशन, सौंदर्य, इलेक्ट्रॉनिक्स, गृह सज्जा, पैसा हस्तांतरण करने की सुविधा कार्ड और अन्य उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला पेश की गई है।



अमेजनडॉटइन के 'राखी स्टोर' से उपभोक्ताओं को घर पर ही उनकी विशिष्ट जरूरतों के अनुरूप हजारों उत्पादों को पहुंचाने के लिए और त्योहार की तैयारियों को आसान बनाने के लिहाज से डिजाइन किया गया है। स्टोर पर

उपभोक्ता के लिए विशेष रूप से तैयार हेमप्स और ऑमबो से लेकर पारंपरिक और डिजाइनर राखी, राखी उपहार कार्ड, स्मार्टफोन, फुटवियर, खिलौने और बोर्ड गेम्स, एसोर्टेड चॉकलेट्स, मिठाइयां, बीबा, बॉम्बे शॉविंग कंपनी, सैमसंग, फॉसिल, लेनोवो और जैसे अन्य कई प्रमुख ब्रांड्स के स्पेशल राखी हेमप्स भी उपलब्ध कराए गए हैं।



गोष: किसी विशेष कार्य की चिंता रहेगी। व्यर्थ की प्रतिस्पर्धा न करें। अजनबियों से सावधान रहें। व्यापार में नुकसान हो सकता है। मगर परेशान न हों अच्छे वक्त जल्द आएगा।

वृषभ: राशि का स्वामी शुक्र प्रथम तन प्रमुख केन्द्र भाव में राज्य मान-प्रतिष्ठा की वृद्धि का संकेत दे रहा है। चन्द्रमा उच्च भाव में होने से धन लाभ होने की उम्मीद है। आज कार्यक्षेत्र में आपको कुछ नई जिम्मेदारी दी जा सकती है और आपके कार्य पर भार बढ़ जाएगा।

मिथुन: आपकी राशि का स्वामी बुध सूर्य के साथ एकादश भाव में अस्त चल रहा है। अकारण शत्रुवृत्ति, निर्मूल चिन्ताकारक है। आज माता को कष्ट हो सकता है।

कर्क: आज का दिन आपके लिए सुख शान्ति का रहेगा। पिछले कई दिनों से चला आ रहा तनाव आज कुछ कम हो जाएगा। राशि का स्वामी चन्द्रमा एकादश भाव में पराक्रम वृद्धि और कोर्ट कचहरी में विजयकारक है। राशि पर मकर राशि का गुरु पत्नी को रोग मुक्त व पत्नी पक्ष से लाभकारक रहेगा।



रहेगा।

सिंह: आपकी राशि का स्वामी सूर्य एकादश भाव में मिथुन राशि का होकर संचार कर रहा है। चन्द्रमा दशम भाव में अकरमात बड़ी मात्रा में लाभ कारक वृद्धि करेगा। सांघ के समय हर्षदायक समाचार मिलेगा।

कन्या: आज का दिन आपके स्वास्थ्य एवं सुस्ति पड़े कारोबार में सुधार का दिन है। इच्छित धन लाभ होने से मनोबल बढ़ेगा। पत्नी व सान्तन पक्ष से संतोषजनक समाचार से हर्षित होंगे।

तुला: आपकी राशि के स्वामी शुक्र का वृष में प्रवेश हो चुका है। राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। सांसारिक सुख भोगों का विस्तार तथा परिवार में हर्ष मंगलमय परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक: आज का दिन विशेष व्यस्त एवं तनावमुक्त रहेगा। आपकी राशि से तृतीय शनि योग बना हुआ है। अतः विवेक से काम लें- निकटवर्ती लोगों से मिल जाएगा।



से व्यर्थ के विवाद में न उलझें।

धनु: आपकी राशि पर मंगल अग्नि, चोर भयकारक है। सप्तम भाव में मिथुन राशि राहु भी व्यर्थ व्यय व पत्नी को कष्टकारक है। नजदीक व दूर की सकारणीय यात्रा के प्रसंग प्रबल होंगे।

मकर: आज का दिन प्रभाव प्रताप का बढ़ने वाला है। पंचम लक्ष्मी भाव में चंद्रमा भूमि, जमीन जायदाद के कार्यों से अकल्पित लाभ दे सकता है। श्रेष्ठ पुरुषों के मिलने से मन में प्रसन्नता होगी।

कुम्भ: आपकी राशि का स्वामी शनि, मकर राशि का होकर द्वादश भाव में विराजमान है। चन्द्रमा आज चतुर्थ घर में आये के लग्न स्रोत विकसित करेगा।

शत्रु व प्रतिद्वंद्वी पक्ष पराजित होंगे।

मीन: राशि का स्वामी देवगुरु पिछले कई दिनों से मकर राशि का होकर एकादश भाव में चल रहा है। चन्द्रमा भी आज तृतीय घर में उत्तम संपत्ति प्रदान करेगा। खोया हुआ धन या रकमा हुआ पैसा मिल जाएगा।

सू- दोक् क्र.086												
	2		6		8		3					
9		8			3		4					
									5			
5		2			7		6					
	8			4			1		3			
					9							
8			9				1		6		2	
	5				1		6					
		1	7						4			
नियम												
1. कुल 81 वर्ग हैं,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।												
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते हैं।												
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक काल्प,काला और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।												
सू-दोक् क्र.85 का हल												
2	6	3	8	1	4	9	7	5				
9	5	4	2	6	7	3	1	8				
8	7	1	9	3	5		6	2				
6	2	7	5	4	8	4	3	9				
3	9	8	6	7	1	2	5	4				
4	1	5	3	2	9	6	8	7				
5	3	2	4	8	6	7	9	1				
1	8	6	7	9	2	5	4	3				
7	4	9	1	5	3	8	2	6				

शब्द सामर्थ्य -086

बाएं से दाएं

21. विक्रय करना 22. वाणी, गाय, नत 9. इधर-उधर, पास 1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, कवन, वादा 24. तारा में दस पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, भाग्य 14. बंदर, कपि करने वाला (उ.) 10. गुप्त, नागरिक, चतुर। 16. शक्तिशाली, बलवान 18. जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म 19. अस्सबल, अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, 1. वेफ्रिक, निश्चित, जिसे कोई घुड़साल 20. राजी करना, रुटे हिरासत 15. जानकी, परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. नदिया, नद। बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 85 का हल

मा म ला सि वा य कि

लि चा ह त म म ता

क सू र म ग न व

र द

क मा न पा र स स

मी म जा ल न क ली

ना दा न ना र द का

मि ताँ

सु नी ल अ धी र जी

